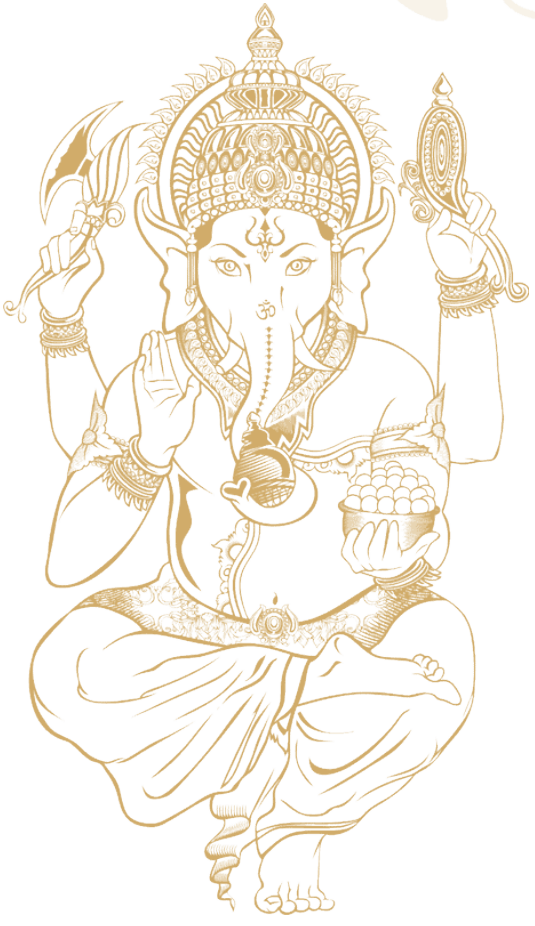

Mohit verma

03 May 2000

08:00 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121952405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/05/2000**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:00:00 घंटे**
इष्ट	05:58:59 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:40:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:09 घंटे
साम्पातिक काल	22:26:01 घंटे
सूर्योदय	05:36:24 घंटे
सूर्यास्त	18:56:11 घंटे
दिनमान	13:19:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	19:06:34 मेष
लग्न के अंश	27:08:11 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:08:11	347:00:08	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			मेष	19:06:34	00:58:12	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			मेष	04:43:06	14:14:21	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृष	05:39:03	00:42:10	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	सम राशि
बुध		अ	मेष	12:06:19	02:03:50	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
गुरु		अ	मेष	22:48:46	00:14:17	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मेष	08:35:20	01:13:52	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मेष	25:35:21	00:07:42	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	नीच राशि
राहु	व		कर्क	03:51:31	00:11:16	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	03:51:31	00:11:16	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:45:55	00:01:05	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:42:29	00:00:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:26:30	00:01:21	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	10:47:00	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:26

लग्न-चलित

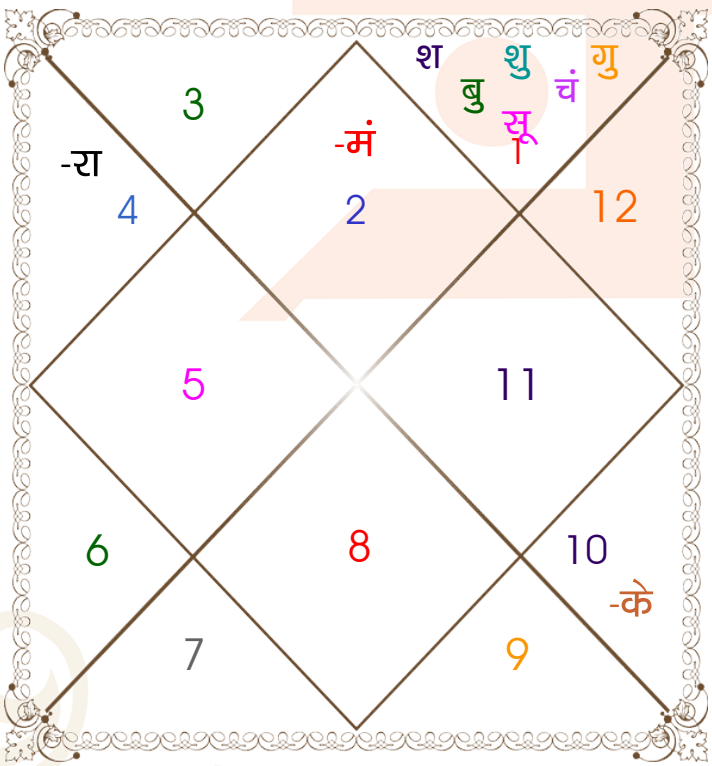

चन्द्र कुंडली

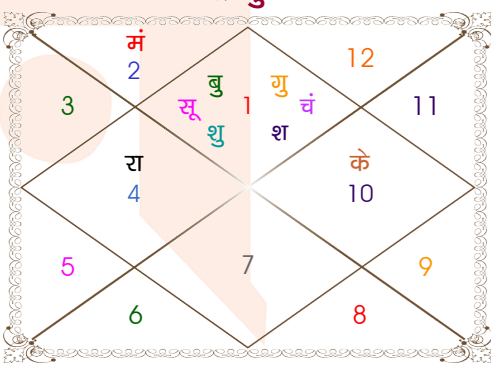

नवमांश कुंडली

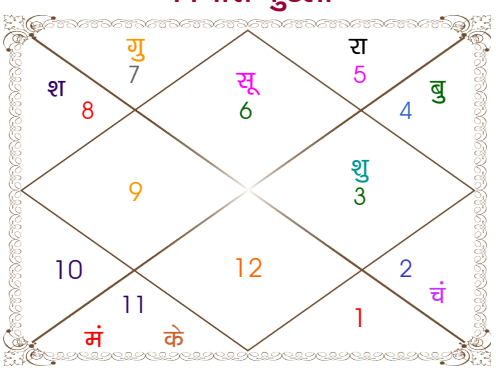

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 6 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/05/2000		10/11/2004		10/11/2024		10/11/2030		10/11/2040	
10/11/2004		10/11/2024		10/11/2030		10/11/2040		11/11/2047	
	00/00/0000	शुक्र	11/03/2008	सूर्य	27/02/2025	चंद्र	11/09/2031	मंगल	08/04/2041
	00/00/0000	सूर्य	12/03/2009	चंद्र	29/08/2025	मंगल	11/04/2032	राहु	26/04/2042
	03/05/2000	चंद्र	10/11/2010	मंगल	04/01/2026	राहु	11/10/2033	गुरु	02/04/2043
चंद्र	14/05/2000	मंगल	10/01/2012	राहु	29/11/2026	गुरु	10/02/2035	शनि	11/05/2044
मंगल	10/10/2000	राहु	10/01/2015	गुरु	17/09/2027	शनि	10/09/2036	बुध	08/05/2045
राहु	29/10/2001	गुरु	10/09/2017	शनि	29/08/2028	बुध	09/02/2038	केतु	05/10/2045
गुरु	05/10/2002	शनि	10/11/2020	बुध	05/07/2029	केतु	10/09/2038	शुक्र	05/12/2046
शनि	14/11/2003	बुध	11/09/2023	केतु	10/11/2029	शुक्र	11/05/2040	सूर्य	12/04/2047
बुध	10/11/2004	केतु	10/11/2024	शुक्र	10/11/2030	सूर्य	10/11/2040	चंद्र	11/11/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/11/2047		10/11/2065		10/11/2081		11/11/2100		11/11/2117	
10/11/2065		10/11/2081		11/11/2100		11/11/2117		00/00/0000	
राहु	24/07/2050	गुरु	29/12/2067	शनि	13/11/2084	बुध	09/04/2103	केतु	09/04/2118
गुरु	16/12/2052	शनि	12/07/2070	बुध	24/07/2087	केतु	06/04/2104	शुक्र	09/06/2119
शनि	23/10/2055	बुध	16/10/2072	केतु	01/09/2088	शुक्र	05/02/2107	सूर्य	15/10/2119
बुध	12/05/2058	केतु	22/09/2073	शुक्र	01/11/2091	सूर्य	12/12/2107	चंद्र	04/05/2120
केतु	30/05/2059	शुक्र	23/05/2076	सूर्य	13/10/2092	चंद्र	12/05/2109		00/00/0000
शुक्र	30/05/2062	सूर्य	12/03/2077	चंद्र	15/05/2094	मंगल	10/05/2110		00/00/0000
सूर्य	24/04/2063	चंद्र	12/07/2078	मंगल	24/06/2095	राहु	26/11/2112		00/00/0000
चंद्र	23/10/2064	मंगल	17/06/2079	राहु	30/04/2098	गुरु	04/03/2115		00/00/0000
मंगल	10/11/2065	राहु	10/11/2081	गुरु	11/11/2100	शनि	11/11/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 6 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।